Self Respect

04-08-2014

✓अब तुम समझते हो हम आत्मा हैं, बाप के बच्चे हैं ।

✓ज्ञान को पढ़ाई कहा जाता है । बाप की पढ़ाई से हमारी ज्योति जग गई है, इनको ही सच्ची-सच्ची दीपावली कहा जाता है ।

✓बच्चों को आकर नॉलेज देते हैं, पढ़ाते हैं । स्कूल में टीचर पढ़ाते हैं ना । वह है हद की नॉलेज, यह है बेहद की नॉलेज ।

✓यह आत्माओं और परमात्मा का मेला एक ही बार लगता है । संगमयुग पर ही आते हैं ।

✓तुम जानते हो कि बेहद का बाप आया हुआ है । अब पुरानी दुनिया का विनाश भी सामने खड़ा है । अभी ही बाप से ज्ञान लेना है और योग भी सीखना है ।

✓तुम्हारा तो है योगबल से कर्मेन्द्रियों को वश में करना । योगबल से वश होते होते आखरीन ठण्डी हो ही जायेगी ।

✓बाप आये हैं ऐसे स्वर्गधाम में ले जाने । तुमको लायक बना रहे हैं ।

✓बाप कितना बार आये हैं, तुम बच्चों से आकर मिले हैं । तुम्हें कनिष्ट से उत्तम पुरूष बनाया जाता है ।

✓तुम सर्जन के बच्चे हो ना । तुमको हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस सब मिलती है । तो तुम फिर औरों को दो ।

✓84 जन्मों को जानकर बाप से वर्सा लेना है । परन्तु पढ़ाई तो चाहिए ना । तुमको कहा जाता है स्वदर्शन चक्रधारी । हम आत्मा जो पवित्र थी, शुरू से लेकर 84 का चक्र लगाया । वह भी बाप बताते हैं, तुमने पहले-पहले शिव की भक्ति शुरू की । तुम तो अव्यभिचारी भक्त थे ।

✓भगवान् संगमयुग पर ही आकर राजयोग सिखलाते हैं । अभी तुम समझ रहे हो कि बाबा हमें राजयोग सिखला रहे हैं ।

✓शिवबाबा आकर तुमको सतयुग के लिए लायक बना रहे हैं ।

✓वरदान: पुराने संस्कार और संसार के रिश्तों की आकर्षण से मुक्त रहने वाले डबल लाइट फरिश्ता भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |